

सुमिरण दुख भँजन का चारभुजा धारी गिरजा नंदन का



सुमिरण दुख भँजन का,
चारभुजा धारी गिरजा नंदन का,
सुमिरण दुख भँजन का।bd।

कार्तिक और गणपति में एक दिन,
ऐसी बाजी लागी,
पृथ्वी की परिक्रमा करके,
कौन आते है आगे,
सुमिरण दुख भँजन का,
चारभुजा धारी गिरजा नंदन का,
सुमिरण दुख भँजन का।bd।

कार्तिक जी अपने वाहन से,
तेज़ गति से भागे,
गणपति मात पिता को घूमे,
भये बुद्धि में आगे,
सुमिरण दुख भँजन का,
चारभुजा धारी गिरजा नंदन का,
सुमिरण दुख भँजन का।bd।

मेरे दुख को दूर करो प्रभु,
तुझसे है ये अर्जी,
फिर आगे जो भी करना हो,
अब तेरी है मर्जी,
सुमिरण दुख भँजन का,
चारभुजा धारी गिरजा नंदन का,
सुमिरण दुख भँजन का।bd।

सुमिरण दुख भँजन का,
चारभुजा धारी गिरजा नंदन का,
सुमिरण दुख भँजन का।bd।

Singer – Rupesh Choudhary

Lyrics – Fanibhushan Choudhary

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

